

खबर संक्षेप

एआईयूटीयूसी का प्रदर्शन आज

नारनौल। केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह कहा कि संयुक्त ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 10 अगस्त को जेल भरो आंदोलन के तहत जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन कर गिरफ्तारियां दी जाएगी। उन्होंने कहा कि श्रमिक विरोधी चार लेबर कोड रद्द करने, भारत-अमेरिका डील रद्द करने, सरकारी विभागों के निजीकरण पर रोक लगाने व खालीपदों को भरने, सभी फसलों के खरीद की गारंटी आदि मांगों को उठाया जाएगा। उन्होंने लघु सचिवालय में प्रातः 10 बजे पहुंचने की अपील की है।

खासपुर गांव में होने वाला वार्षिक मेला रद्द

नारनौल। गांव खासपुर में एक अप्रत्याशित व हृदयविकारक घटना ने पूरे क्षेत्र को गहरे शोक में डुबो दिया है। जिसके चलते श्री शनि शक्ति धाम खासपुर में भव्य रूप से आयोजित होने वाला नौवां वार्षिक मेला इस वर्ष रद्द कर दिया गया है। यह कठिन निर्णय गांव के दो युवा लड़कों की दुखद मृत्यु के बाद सर्वसम्मति से लिया गया है। यशवीर व अरविंद ने बताया कि 15 अगस्त को श्री शनि शक्ति धाम खासपुर की नौवां वर्षगांठ पर आयोजित होने वाले मेले को लेकर पूरे गांव में भारी उत्साह था, लेकिन इस दुखद हादसे ने खुशियों के माहौल को मातम में बदल दिया। युवा कार्तिक व गौरव मेला कमेट्री के स्वयंसेवक थे और श्री शनि शक्ति धाम खासपुर में नियमित रूप से पर्यावरण संरक्षण और अन्य कामों में गहन रुचि रखते थे। इस मौके पर हुई बैठक में भालसिंह यादव, बजरंग लाल मैनेजर, लालचंद यादव, प्रोफेसर डॉ. एसएन शर्मा, संजय यादव, सुखदेव भारद्वाज, बिमला देवी व कमेट्री सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह 27 सितंबर को

नारनौल। गुर्जर कल्याण परिषद की ओर से छठा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। परिषद के अध्यक्ष कुलदीप सिंह भरगड़ एडवोकेट ने बताया कि गुर्जर कल्याण परिषद की मासिक बैठक में निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 27 सितंबर को कार्यालय एवं गुर्जर छात्रावास/लाइब्रेरी परिसर कोरियावास रोड में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समारोह का उद्देश्य जिले के गुर्जर समाज की प्रतिभाओं को पहचानना, उनका सम्मान करना तथा समाज की नई पीढ़ी को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, खेल एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। समारोह में शैक्षणिक सत्र 2025–2026 के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले योग्य छात्र-छात्राओं को निर्धारित मानदंड के अनुसार सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए 30 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

15 फीट की कांवड़ लेकर गांव लौट रहे सूरज रास्ते में हर किसी की ठहर रही नजर

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की भक्ति में डूबे कांवड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा है। हरिद्वार समेत

- हरिद्वार से विभिन्न तीर्थस्थलों से गंगाजल लेकर शिवभक्त अपने गांवों की ओर लौट रहे हैं। इसी आस्था और भक्ति के बीच महेन्द्रगढ़ शिवभक्त, इस सूरज किराड़ भी अपनी छठी कांवड़ लेकर गांव की ओर बढ़ रहे हैं। इस बार उनकी करीब 15 फीट ऊंची विशाल कांवड़ यात्रा के दौरान आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। आकर्षक ढंग से सजाई गई कांवड़ को लेकर सूरज पैदल ही हरिद्वार से गांव की ओर रवाना हुए हैं। रास्ते में जब लोगों की नजर इतनी ऊंची कांवड़ पर पड़ती है तो वे रुककर उसे देखने लगते हैं। ग्रामीणों में भी सूरज के गांव लौटने को लेकर खासा उत्साह है। बताया गया कि वह कल अपनी कांवड़ के साथ खोड़मा गांव पहुंच जाएगा। उनके पहुंचने पर ग्रामीणों की ओर से स्वागत किया जाएगा। इसके बाद गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा।



नारनौल। कांवड़ लेकर चलता सूरज किराड़। फोटो: हरिभूमि

29 जुलाई को हरिद्वार के लिए हुए थे रवाना

सूरज किराड़ 29 जुलाई को कांवड़ लेने के लिए रवाना हुए थे। हरिद्वार पहुंचकर उन्होंने गंगाजल लिया और इसके बाद पैदल कांवड़ यात्रा शुरू की। ग्रामीणों के अनुसार यह सूरज की छठी कांवड़ यात्रा है। वह लगातार हर सावन में कांवड़ लेकर आते हैं और गांव पहुंचकर भगवान शिव का गंगाजल से जलाभिषेक करते हैं। इस बार उन्होंने सामान्य कांवड़ के बजाय करीब 15 फीट ऊंची विशाल कांवड़ तैयार करवाई है, जिसे विशेष रूप से सजाया गया है।

किसी को परिवार का सहारा बनना है तो किसी का लक्ष्य देश के लिए अंतरराष्ट्रीय पदक जीतना

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

शहर के महेन्द्रगढ़ रोड पर रविवार को सिर्फ धावक नहीं दौड़े, बल्कि उनके साथ उनके सपने, संघर्ष और भविष्य की उम्मीदें भी दौड़ीं। नशामुक्त हरियाणा के प्रदेश के साथ प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित 10 किलोमीटर हॉफ मैराथन में सैकड़ों धावकों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। पुरुष वर्ग में गांव भूषण शोभापुर के मोहित यादव ने सबसे तेज दौड़ लगाकर प्रथम स्थान हासिल किया और एक लाख रुपये का पुरस्कार जीतकर जिले का नाम रोशन किया। वहीं महिला वर्ग में रोहतक की भारती ने बाजी मारी और वह भी एक लाख रुपये की हकदार बनीं। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

खास बात यह रही कि कई धावक सोशल मीडिया, फेसबुक, वाट्सएप ग्रुप, वेबसाइटों और पोस्टरों के माध्यम से प्रतियोगिता की जानकारी मिलने के बाद दूर-दराज से नारनौल पहुंचे थे। पांच किलोमीटर की दौड़ में निजी स्कूलों के बच्चों ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर माहौल को उत्साह से भर दिया। गौर करने वाली बात यह भी रही कि प्रथम विजेता मोहित यादव केवल जिला महेन्द्रगढ़ से रहा, बाकी विजेता जिले एवं प्रदेश के बाहर के रहे। प्रथम इनाम एक लाख, द्वितीय 50 हजार एवं तृतीय इनाम 25 हजार वितरित किया गया।



मैराथन में उमड़ी नीड़

हॉफ मैराथन के विजेताओं को प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

सड़कों पर दौड़ा जुनून और भूषण शोभापुर के मोहित ने बढ़ाया मान



नारनौल। विजेताओं को सम्मानित करते सीएम नायबसिंह सैनी।

फोटो: हरिभूमि

इनकी भी रही मौजूदगी

हरियाणा महिला आयोग की सदस्या भारती सैनी, पूर्व चेयरमैन गोविंद भारद्वाज, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, अटेली मार्केट चेयरमैन दिनेश जेलदार, नारनौल समाजसेवी संजय सैनी, विकास बड़कोढ़िया, विजय सांगवान, नरेंद्र झिमरिया, पार्षद सिकंदर गहली, मनोज सैकवाल आदि मौजूद थे।

सीएम नारनौल की धरती पर दे गए 5 संकल्प

- नशे से दूर रहेंगे, दूसरों को भी बचाएंगे, प्रतिदिन खेल या योग करेंगे, तिरंगे की मर्यादा का पालन करेंगे व राष्ट्र निर्माण के हर अभियान में रहे सक्रिय भागीदारी

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशे को खिलाफ यह लड़ाई केवल सरकार नहीं जीत सकती। इसमें परिवार, विद्यालय, पंचायत, खेल संस्थाएं और समाज के प्रत्येक जागरूक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। यदि समय रहते हम किसी भटकते हुए युवा का हाथ पकड़ लें, तो हम केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक पूरा परिवार बचा सकते हैं। मैराथन हमें सिखाती है कि लक्ष्य मिलने तक रुकना नहीं है। सीएम ने कहा कि आज नारनौल की इस धरती से हम पांच संकल्प लें कि नशे से दूर रहेंगे, दूसरों को भी बचाएंगे, प्रतिदिन खेल या योग करेंगे, तिरंगे की मर्यादा का पालन करेंगे और राष्ट्र निर्माण के हर अभियान में सक्रिय भागीदार बनेंगे। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

जिला प्रशासन की मेहनत लाई रंग रामजी ने भी दिया साथ

इस मैराथन दौड़ को पूरी तरह कामयाब करने में कई दिनों से जिला प्रशासन जुटा हुआ था। खासतौर पर इस कार्यक्रम की आयोजक उपायुक्त अनुपमा अंजली दिन रात जुटी हुई थी। जिला प्रशासन की इस मेहनत में रामजी ने भी पूरा साथ दिया। बीते तीन दिन से रूक रूक कर बरसात जारी थी। शनिवार रात को भी अच्छी बरसात हुई थी। इस वजह से प्रशासन की सांसे फुली हुई थी कि इसी तरह बरसात हुई तो पूरी मेहनत पर पानी फिर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शुरू से अंत जब तक यह कार्यक्रम हुआ, आसमान से एक बूंद भी नहीं टकपी। सफल कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए जिला उपायुक्त ने अधिकारी व आमजन का आभार जताया है।

हादसे के 38 दिन बाद घायल की मौत, बाइक चालक पर केस

नारनौल। थाना अटेली क्षेत्र के गांव सैदपुर में सड़क हादसे में घायल हुए वेदप्रकाश की करीब 38 दिन बाद मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भतीजे खुशिराम यादव की शिकायत पर बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खुशिराम ने पुलिस को बताया कि 29 जून को शाम करीब साढ़े सात बजे वह और उसके ताऊ वेदप्रकाश घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान बिहाली की ओर से तेज रफ्तार बाइक आई और चालक ने लापरवाही से चलाते हुए वेदप्रकाश को टक्कर मार दी। बाइक पर चालक के अलावा दो महिलाएं भी सवार थीं। हादसे के बाद वेदप्रकाश को पहले अटेली और फिर नारनौल के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर रोहतक रेफर किया गया, लेकिन परिजन नारनौल के सूर्या अस्पताल में उनका उपचार कराते रहे। तीन जुलाई को छुट्टी मिलने के बाद भी इलाज जारी था। परिजनों के अनुसार, वह चलने-बोलने और सामान्य रूप से भोजन करने में भी असमर्थ थे। बीती रात तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद वेदप्रकाश बयान देने की स्थिति में नहीं थे। 1 जुलाई को चिकित्सक ने उन्हें बयान के लिए अनफिट बताया था। अब मौत के बाद पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वेतन व ड्यूटी व्यवस्था को लेकर होमगार्ड जवानों ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ►► मंडी अटेली

जिला के समस्त होमगार्ड जवानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं लंबित मांगों को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री द्वारा ज्ञापन स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया गया कि सभी जायज मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में बताया कि प्रदेश के सभी स्वयंसेवक जवानों के लिए रोस्टर प्रणाली को समाप्त किया जाए और उन्हें वर्ष के पूरे 365 दिन ड्यूटी प्रदान की जाए।

इसके साथ ही जवानों ने भविष्य निधि और चिकित्सा सुविधाओं का लाभ देने की भी मांग की। वहीं दूर-दराज क्षेत्रों में ड्यूटी करने वाले जवानों के हित में उन्होंने कहा कि 100 से 150 किलोमीटर दूर तैनाती पर जाने वाले कर्मियों को यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाए। इसके अलावा, हरियाणा पुलिस और एसपीओ की

किसान परिवार से हूं

मैं पिछले पांच साल से लगातार दौड़ का अभ्यास कर रहा हूं। साथ में स्नातक की पढ़ाई भी कर रहा हूं। किसान परिवार से हूं। मेरा सपना है कि खेल के दम पर खुद और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करूं। राष्ट्रीय स्तर की कॉंस कंट्री में सिल्वर मेडल जीत चुका हूं। आज मुख्यमंत्री के हाथों एक लाख रुपये का पुरस्कार मिलना मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं है।

-मोहित यादव, प्रथम, पुरुष वर्ग, भूषण शोभापुर

पिता का हो चुका है देहांत

मैं करीब चार साल से दौड़ का अभ्यास कर रहा हूं। नारनौल की इस प्रतियोगिता की जानकारी मुझे पोस्टर और सोशल मीडिया से मिली थी। पहली बार ऐसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और दूसरा स्थान हासिल कर बहुत खुशी हुई। मैं बीए द्वितीय वर्ष में पढ़ रहा हूं। पिता का देहांत हो चुका है और मां ने ही मुझे संभाला है। अब मेरा लक्ष्य मां के लिए और देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना है।

-गौरव, द्वितीय, ग्रेटर नोएडा, यूपी

आठ साल से कर रहा अभ्यास

मैं शनिवार शाम बस से नारनौल पहुंचा था और रात धर्मशाला में ठहरने के बाद सुबह दौड़ में शामिल हुआ। इससे पहले करीब दस मैराथन में हिस्सा लेकर कई पदकों जीत चुका हूं। यहां तीसरा स्थान हासिल करना और मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होना मेरे लिए शानदार अनुभव है। पिता सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारी हैं, इसलिए फिट रहना बचपन से जीवन का हिस्सा रहा। करीब आठ साल से अभ्यास कर रहा हूं।

-शुभम, तृतीय, रोहतक

राष्ट्रीय स्तर पर जीत चुकी

मैं रोहतक की रहने वाली हूं और पिछले सात-आठ साल से लगातार दौड़ का अभ्यास कर रही हूं। राष्ट्रीय स्तर पर सिल्वर और बॉयज मेडल जीत चुकी हूं। नारनौल में होने वाली प्रतियोगिता की जानकारी मुझे सोशल मीडिया से मिली, जिसके बाद रजिस्ट्रेशन कराया। आज 10 किलोमीटर दौड़ में पहला स्थान हासिल कर बेहद खुशी हुई।

-भारती, प्रथम, महिला वर्ग, रोहतक

हैदराबाद से आई हूं नारनौल

मैं शनिवार शाम हैदराबाद से दिल्ली और फिर नारनौल पहुंची थी। रात होटल में ठहरी और सुबह प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। करीब दस साल से लगातार अभ्यास कर रही हूं और रेलवे की ओर से खेलती रही हूं। एथियन कॉंस कंट्री में दो बार भाग ले चुकी हूं, जिसमें एक बार गोल्ड और एक बार सिल्वर मेडल जीता। यहां दूसरा स्थान हासिल किया।

-सोनिका, द्वितीय, महिला वर्ग

बुलंदशहर से आई हूं नारनौल

मैं बुलंदशहर की रहने वाली हूं। पिता किसान हैं और पिछले तीन साल से दौड़ का अभ्यास कर रही हूं। नवंबर 2025 में ओडिशा में हुई पांच किलोमीटर मैराथन में तीसरा स्थान हासिल किया था। मैं स्नातक द्वितीय वर्ष में पढ़ रही हूं। नारनौल की स्पर्धा की जानकारी सोशल मीडिया और अखबार के माध्यम से मिली थी।

-नीता कुमारी, तृतीय, महिला वर्ग, बुलंदशहर, यूपी



मंडी अटेली। मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए होमगार्ड जवान।

तर्ज पर हरियाणा रोडवेज बसों में मुफ्त या रियायती यात्रा सुविधा देने की भी मांग की गई। इस मौके पर राकेश कुमार, देशराज प्रधान, सत्यनारायण, शंकर, कृष्ण कुमार, प्रेम कुमार, जितेंद्र कुमार, रमेश कुमार के अलावा अन्य होमगार्ड जवान मौजूद रहे।

नारनौल समेत अटेली, निजामपुर व नीमकाथाना के यात्रियों को मिलेगा लाभ

रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी के बीच आज चलेगी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जाएगा। यह स्पेशल ट्रेन 10 अगस्त को एक-एक ट्रिप के रूप में चलेगी। इससे रेवाड़ी, नारनौल सहित मार्ग के विभिन्न स्टेशनों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

- स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में एक-एक फेरा लगाएगी

खासकर रींगस और

आसपास के क्षेत्रों की ओर जाने वाले यात्रियों को इस विशेष रेलसेवा का लाभ मिल सकेगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाड़ी संख्या 09637 रेवाड़ी-रींगस एक्सप्रेस स्पेशल 10 अगस्त को रेवाड़ी से सुबह



नारनौल। रेलवे स्टेशन।

(फाइल: फोटो)

11:00 बजे रवाना होगी और निर्धारित ठहरावों के बाद दोपहर 2:20 बजे रींगस पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09638 रींगस-रेवाड़ी एक्सप्रेस स्पेशल इसी दिन रींगस से दोपहर 2:55 बजे रवाना होकर शाम 6:20 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी। रेवाड़ी से चलने के बाद ट्रेन 11:19 बजे कुंड, 11:28 बजे काटूवास, 11:40 बजे अटेली और

11:55 बजे नारनौल पहुंचेगी। नारनौल से ट्रेन 11:57 बजे रवाना होगी।

इसके बाद ट्रेन अमरपुर जोरासी, निजामपुर, डाबला, मांवडा, नीमकाथाना, कांवट और श्रीमाधोपुर होते हुए रींगस पहुंचेगी। वापसी यात्रा में भी इन सभी स्टेशनों पर निर्धारित समय के अनुसार ठहराव रहेगा।



कहानी

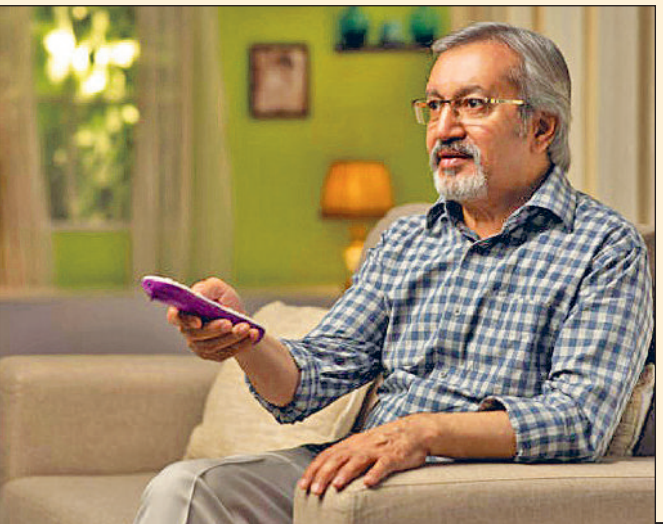
डॉ. सुरेश वशिष्ठ

रात के आखिरी पहर में उठकर बैठ जाता हूं। बिस्तर पर पूरी रात करवटें ही बदलता रहा। दिन में कुछ देर सो भी जाऊं तो रात में जागना पड़ता है। सोने की कोशिश भी की जाए तो नींद नहीं आती। अक्सर टीवी खोलकर देखने लगता हूं। खबरें सुन लूं तो दिल कांपने लगता है। पूरी दुनिया में कोरोना संक्रमण के आंकड़े दिनों-दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। हर चैनल उसे बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने लगा है। कोरोना संक्रमण या सीमा पर पाकिस्तान द्वारा सीजफायर का उल्लंघन। बल्चिस्तान और सिंध में पाकिस्तानी सेना द्वारा बर्बरता। आज, यही सब देखने को रह गया है। दिमाग में जब इतनी हलचल चल रही हो तो नींद कैसे आ पाएगी और चित्त कैसे स्थिर रह सकेगा। कोरोना वायरस थमने का नाम नहीं ले रहा है। ना अपने मुल्क में ना विदेश में। सरकारें इस महामारी में जितना कर सकती हैं, कर रही हैं। अपने वतन की स्थिति को भांपकर सांसें थमने लगी हैं। इस समय रात के तीन या चार बज रहे होंगे, सोचा- 'किसी फिल्म पर मन लगाऊं या कोई और सीरियल देखूं। मन कुछ तो हल्का होगा।' टीवी का स्विच ऑन किया। चैनल बदलते-बदलते फिर किसी न्यूज़ पर अंगुली अटक गई। दो खबरें मन को काफी परेशान करने वाली थी। एक तो यह कि 'पाकिस्तान में जेहादियों को कोरोना वायरस देकर सीमा में घुसा दिया जाए।' इसकी योजना वहां की फौज और सरकारें मिलकर बना रही थीं। इसका खुलासा किसी एक जिहादी और उसके पिता की फोन पर हुई वार्ता से उजागर हुआ था। न्यूज़ परोसी जाने लगी थी और लोग बहुत ध्यान देकर उसे सुन भी रहे थे। उच्छवास को फूंक से उड़ते हुए मन ने कहा- 'यह सब कारोबारियों का धंधा तो नहीं?' लेकिन कैसे....धंधा कैसे होगा? वह मानव-बम बनकर दूसरों को मारता है और खुद भी बहतर हूयों को प्राप्त होता है। उसके शरीर की चिंदियां धुएं के गुब्बार सी बिखर जाती हैं। यह कैसी राजनीति पसर गई है? लोगों को धर्म की गृहार देकर, उन्हें गुस्सेल बनाकर मरने के लिए छोड़ देना।... और वह मरता है, मारता है। पलभर में पूरी रात बीत गई।

सुबह हुई, लेकिन अशान्त दिल और दिमाग खाली नहीं हो सका। अगले रोज भी आंखों में नींद की खुमारी थी। फिर भी उठा, कुल्हा-चतुन किया और टहलने के लिए बालकनी में जा पहुंचा। वहीं पर छोटी बहू चाय का प्याला दे गई। टीवी में परोसे जाने वाले सीन मन को आहत करते रहे। अनजानी कोई शंका दिमाग में घुस गई थी। इतने दिनों से बाहर नहीं जा सका, रिश्तेदारों से नहीं मिला और ना घूमने ही निकल पाया हूं। किसी लाइब्रेरी में भी नहीं गया हूं। गांव जाना चाहते हुए भी जा नहीं सका हूं। पत्नी के फोन की घंटी बजी, दूसरी तरफ गाड़ियां साफ करने वाले रामकरण की आवाज थी। वह सुबह-सुबह ही आ धमकता है। मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी,

धुएं के गुबार

मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी, आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी-'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं, आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है।'

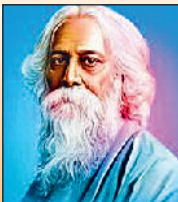


आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है। आटा, दाल, चावल का एक दाना तक घर में नहीं है।' दीनता से भरी उसकी आवाज हृदय में तीर सी चुभने लगी थी। मैंने आवाज देकर मिसेज को अन्दर बुला लिया और कहा - 'बुला लो उसे, दो हजार बनते हैं लेकिन कुछ ज्यादा ही दे देना, उसे भी ऐसे दिन तो निकालने ही होंगे। पैसे घर में नहीं हैं तो निकाल लाओ। हमारा बसर जैसे भी होगा, उसका भी होना ही चाहिए।' पत्नी ने उसे हिम्मत दी और शाम को आने के लिए कह दिया। वह बोली- 'शाम को आकर पैसे ले जाना और चिंता नहीं करना। कुछ और जरूरत भी है तो कहना।' वह थोड़ा आश्चर्य हुआ और चला गया। मिसेज बता रही थी कि उसके चेहरे पर खुशी के भाव जाग उठे थे। ऐसे कठिन समय सभी एक-दूजे की सहायता कर रहे थे।

आपदा देखी तो वतन उठ खड़ा हुआ था। आज ऐसा सभी जगह देखा और सुना जा रहा था। पड़ोसी देश की तस्वीर पर से धुंध भी साफ हुई थी। उसके कारनामों और उसकी नियत पर पूरे विश्व को शंका हो चली थी। खुलकर चीन पर लोगों की उंगलियां उठने लगी थीं। यह उसी की करनी है, कहा यही जा रहा था कि वहीं से इस वायरस ने जन्म लिया है। उनका सब ठीक भी हो गया, लेकिन विश्व पराजित होने लगा था। पिछले कुछ दिनों से यही सब सुना जाता रहा है कि चीन ने स्वयं को संभाल लिया लेकिन पूरी मानव जाति को इस महामारी में धकेल दिया है। मरकज से निकले लोग पूरे देश में फैल गए। इसके पीछे किसकी क्या

शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है, जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।

- रविद्रिनाथ टैगोर



मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया।

पुरानी बात है, मेरे तीन बच्चे काफी छोटे थे। यही दो साल, चार साल और आठ साल, उन दिनों मेरा निवास फरीदाबाद में था। पड़ोस में एक मदरसा था, बच्चे वहां मौलवी से पढ़ने आते थे। शिक्षक होने के नाते मेरे मन में विचार जागा- 'क्यों न अपने बच्चों को भी उर्दू विषय पढ़ाया जाए? हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत के साथ एक और विषय जान लेंगे तो बुराई क्या है?' और मैंने मौलवी से कहा- 'हमारे तीन लड़कों को भी उर्दू पढ़ा दिया करो।' 'नहीं, यह संभव नहीं।

हमारे यहां तो मुस्लिम बच्चे ही पढ़ने आते हैं।' मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया। उसके चेहरे का रंग बदलने लगा। थोड़ा झेंपकर मौलवी साहब हमें लगे- 'अरे मास्टर साहब, मैं कायदा इन्हें दे देता हूं, आप घर पर ही इन्हें पढ़ा दिया करें। मदरसे में इनका आना ठीक नहीं होगा।' उसने मुझे तीन कायदे दिए लेकिन मदरसे में हिन्दू बच्चों को वह पढ़ाने को राजी नहीं हुआ। उस रोज के बाद मैंने महसूस किया कि वह मुझसे दूरी बनाने लगा था। मुझसे कन्नी कांटने लगा था। कई बार मन में विचार भी जागा कि क्यों ये लोग मदरसे में हमें आने से रोकते हैं? यहां गौर करने लायक यह था कि दूसरे धर्म के लोगों की नजरों से, मदरसे की गतिविधियों में ये दूर ही रखना चाहते हैं। आखिर वहां कैसी विचारधारा परोसने में ये लोग लगे हुए हैं? अमन और शांति से जीवन को चलाने की क्यों नहीं सोचते, क्यों आस्तीनों में सांप हैं और क्यों दिलों में दूरियां हैं।

...अरे भाई, फनों से उगल दो जहर और शान्तचित्त निगाहें फेर लो और देखो--सुनहली सुबह सबके लिए आभामय होगी। उस सुबह के पल्लवों को फैलाने दो और मूंदकर आंखें वतन की हरियाली को महसूस करो। यही हमारी संस्कृति और संस्कार हैं। खैर!रात जैसे भी नींद आई, नहीं आई, सुबह बिस्तर से उठ खड़ा हुआ। गली में किसी सब्जी बेचने वाले की आवाज सुनकर बालकनी में आकर खड़ा हो गया। पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे। गली में आदमी नहीं था। उसकी आवाज सुनकर, सब्जी खरीदने के लिए पत्नी घर से बाहर निकली। दाम-दमड़ी पूछा और आलू-प्याज तुलवा लिए। उचित काफसला तो रखना ही था, सो सब्जी वाले से पत्नी ने कहा- 'थैले में डालकर गेट के अंदर इसे रख दो, मैं पैसे लेकर आती हूं, यहीं से पैसे भी उठा लेना।' तभी, बराबर के मकान की बालकनी पर पड़ोसन आई। सब्जी वाले को उसने देखा तो दूर से ही चिल्लाकर पत्नी से कहने लगी- 'बहन जी, इनसे सब्जी नहीं लेना,मुसलमान है। शूक लगा कर लाया होगा।'

पड़ोसन की बात पर सभी चौंक पड़े। उसी चिल्लाहट में सब्जी वाले को पड़ोसन ने कहा- 'भाग यहां से, तुम्हारा भरोसा क्या?'

कवि कॉर्नर	
कविता	भृपसिंह भारती
	

सबसे प्यारा ध्वज तिरंगा, नील गगन में लहराए।
सकता है अमिमान तिरंगा, झूठ पर बलि-बलि जाए॥

तीन रंग का संगम न्यारा, तभी तिरंगा कहनाए,
चक्र बीच में सजा जो, चलना हमको सिखलाए,
मनभावना रूप है इसका, ये सबके मन को भाये।

सबसे ऊपर है केसरिया, भाव जगाए बलिदानी,
आन, बान, सम्मान तिरंगा, चलते लेकटर सेनानी,
झंसे देख पाग रंग में उठते, हम झुंझ पर जान लुटाए।

श्वेत रंग है बीच तिरंगा, शांति सीख सिखलाए,
वैरभाव दो खेड़ समी तुम, सम्भाव हृदय बसाता,
सत्य, अहिंसा पर चलना है, सार यही बतलाए।

हरा रंग है सबसे नीचे, यह प्रतीक हरियाली का,
रोज मौन हो देश मेरे में, यही रंग खुशहाली का,
विश्व विजयी तिरंगा प्यारा, ये गीत 'भारती' गाए।

कविता	मनीषा मंजरी
	

अपूर्णता का आकाश

धूप-छांव से परे हरे मैदानों ने,
कभी तो मौसम नया पाया होगा,
दिन और रात की कश्मकश से दूर,
क्षितिज ने रंग नया दिखाया होगा।
पूर्णता के क्षम को कभी तो
नवजीवन ने आग लगाया होगा,
अपूर्ण क्षणों की मृगतृष्णा ने,
दासता से स्वयं को बचाया होगा।
कभी बहारों के गलियारों ने भी,
किसी बाग में पतझड़ बरपाया होगा,
बारिशें ठहरी होंगी शहर में,
और प्यासों ने अश्रु को बहया होगा।
भाग रही थीं राहें गुपचुप,
क्या कदमों ने शोर मचाया होगा,
कारवां या अजनबियों का क्या
अपनेपन की कस्तूरी ने मन भरमाया होगा।
शह की ज़िद ने, दलती शाम से
दिल को लगाया होगा,
मिलकर बिछड़ने का दर्द,
आसमान ने फिर समझाया होगा।
स्वाभाव फैले थे अन्विगन पर,
क्या चुनने की हिम्मत ने हाथ बढ़ाया होगा,
टुकड़ों की चुमन ने लहू के रंग
को भी तो तड़पाया होगा।
स्वच्छंद हुई उड़ानें पर पंखों ने भी तो
जोड़ लगाया होगा,
ऊंचाइयों की चाहतों ने ही तो,
जंजीरों से अस्तित्व छुड़ाया होगा।
चुनाव में एकांत रहा, पर साथ कभी तो
सम्मान ने भी आजमाया होगा,
मुस्कान की शायशैया पर संग बैठ, वैराग्य
से मोह लगाया होगा।

सत्य की खोज और व्हाट्सएप के सर्वज्ञानी



व्यंग्य

ज़ही पाठक

मनुष्य में ज्ञान बांटने की इच्छा हमेशा से रही है। पहले कठिनाई यह थी कि ज्ञान बांटने से पहले ज्ञानी होना पड़ता था। व्हाट्सएप ने यह कठिनाई दूर कर दी है। मेरे एक परिचित हैं। सुबह उठकर गगवान का नाम बाद में लेते हैं, पहले देखते हैं कि रातभर देश में क्या-क्या हो गया। देश में जो वास्तव में हुआ हो, उसमें उनकी विशेष रुचि नहीं है। उनकी रुचि उसमें है जो रात दो बजे किसी दूसरे गुप से उनके गुप में आया है। वे सुबह सात बजे तक जान चुके होते हैं कि चीन क्या करने वाला है, अमेरिका क्यों डर रहा है, जापान ने भारत से क्या सीख लिया है और हल्दी के पानी से कौन-सी बीमारी जुड़ से समाप्त होनी वाली है। हमारे यहां किसी बात के सच होने की पुरानी पद्धति बड़ी जटिल थी। दस्तावेज खोजिए, पुस्तक देखिए, जानकार से पूछिए। अब सत्य ने काफी तरक्की कर ली है। यदि कोई बात एक गुप में आए तो संभव है।

दो गुप में आए तो संभावित सत्य है। तीन गुप में आ जाए तो लगभग प्रमाणित है। व्हाट्सएप ने देश में विज्ञानों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढ़ाई है। पहले मोटिवले में एक डॉक्टर होता था। अब हर गुप में सात हैं। फर्क इतना है कि असली डॉक्टर मरीज देखकर दवा बताता है और ये बिना मरीज देखे बीमारी भी बता देते हैं, दवा भी और मेडिकल साइंस की साजिश भी। इतिहास विभाग यहां और

हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

भी समझू है। इतिहास की कोई भी घटना लीजिए, व्हाट्सएप के पास उसका वह संस्करण मौजूद है जो इतिहासकारों के पास नहीं है। इतिहासकार की मजबूरी है कि वह प्रमाण खोजता है। व्हाट्सएप इतिहासकार इस बंधन से मुक्त है। वह सीधे उस जगह पहुंचता है जहां प्रमाण पहुंचने में अभी दो-चार शताब्दियां लगेगी। यहां अर्थशास्त्र भी अत्यंत सरल है। पेट्रोल महंगा हो, रुपया गिरे, शेयर बाजार चढ़े या सब्जी महंगी हो, हर आर्थिक घटना को समझाने के लिए एक डाई मिनट का वीडियो उपलब्ध है। वीडियो बनाने वाले

व्यक्ति की आर्थिक योग्यता जानना आवश्यक नहीं। उसका आत्मविश्वास ही उसकी डिग्री है। यहां विश्वविद्यालयों वाली संकीर्णता भी नहीं है। वहां आदमी एक विषय का प्रोफेसर होता है। यहां एक ही व्यक्ति सुबह इतिहासकार, दस बजे चिकित्सक, दोपहर में अर्थशास्त्री, शाम को रक्षा विशेषज्ञ और रात होते-होते संधिधान विशेषज्ञ हो जाता है। रविवार को थोड़ा खाली समय मिले तो अंतरिक्ष विज्ञान भी देख लेता है। इस विश्वविद्यालय का कुलपति गुप एडमिन होता है। उसके पास अकादमिक योग्यता भले न हो, संवैधानिक

शक्तियां पर्याप्त हैं। वह किसी को भी प्रवेश दे सकता है, निष्कासित कर सकता है और सबसे बड़ी बात गुप का नाम बदल सकता है। यहां तथ्य गलत हो सकता है, आदमी कभी गलत नहीं होता। बल्कि जितनी बार उसकी खबर झूठी निकलती है, उतनी ही मजबूती से उसका विश्वास पक्का होता जाता है कि सच को ढबाने की कोई बहुत बड़ी साजिश चल रही है। इस तरह व्हाट्सएप ने मनुष्य को वह दुर्लभ सुविधा दी है जिसमें अज्ञान भी बढ़ता रहता है और आत्मविश्वास भी। दोष केवल व्हाट्सएप का नहीं है। व्हाट्सएप बेचारा वही देता है जिसकी मांग है।

हमें सूचना कम चाहिए, पुष्टि अधिक चाहिए। हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संदेह घटता जाता है। अंततः वह उस ऊंचाई पर पहुंच जाता है, जहां संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

लघु कथा

जीने का हक

गांव में फिर एक घर में शोक हुआ था। लोग इकट्ठा थे... फुसफुसाहटें थीं, बड़ी उम्र की बहुत सी महिलाएं भी वहीं खड़ी थीं।

एक ने कहा, "अब इसे समझाना पड़ेगा" "कैसे रहना है, ये बताना होगा" कुछ औरतें आगे बढ़ीं। तभी दरवाजे पर खड़ी कुसुम ने कहा "रुकिर"



डॉं अंजना गर्ग

कहानीकार

कुल लुग गुप हो गए।

कुसुम आगे बोली, " जब इस गांव में किसी आदमी की पत्नी जाती

है, तो हम उसे कहते हैं— संभल जाओ आगे बढ़ो

"थोड़ा रुककर - "और जब किसी औरत का पति मर जाता है, तो हम उसे सिखाते हैं-

"रुक जाओ बदल जाओ '

"कमरे में गहरी खामोशी थी। उसने धीरे से विमला का हाथ पकड़ लिया—"आज से न कोई बदलेगा न कोई रुकेगा"

सबकी सांसें थम-सी गईं। कुसुम ने साफ कहा, "आज से- दुख होगा तो दोनों के लिए

एक जैसा होगा और जीने का हक भी दोनों के लिए एक जैसा होगा।"

कोई कुछ नहीं बोला। कमरे में गहरा सन्नाटा था।

इस बार कोई नियम सुनाने आगे नहीं बढ़ा।

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 10 अगस्त 2026

10

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक-राजनीतिक

दस्तावेज है ‘उस पार’



समीक्षक

वंदना कपूर

उपन्यास ‘उस पार’ केवल आतंकवाद पर आधारित कथा नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक विषमता, युवाओं की निराशा, विभाजन की ऐतिहासिक पीड़ा, राष्ट्रवाद, मानवता तथा प्रेम के जटिल संबंधों की पड़ताल करने वाला सामाजिक-राजनीतिक उपन्यास है। उपन्यास का सबसे बड़ा गुण यह प्रतीत होता है कि लेखक आतंकवाद को केवल अपराध के रूप में नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी परिस्थितियों, वैचारिक शोषण और मानव मन की टूटन के साथ देखने का प्रयास करता है। कहानी में पात्रों के माध्यम से यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या व्यवस्था की विफलताएं भी अपराध की सह-उत्प्रेरक होती हैं। कथाका में प्रेम, संघर्ष, विश्वासघात और राष्ट्रभक्ति समानांतर चलते हैं।



यश भारद्वाज

लेखक

प्रभावशाली, संवादप्रधान तथा सिनेमाई प्रतीत होती है। यही कारण है कि इसके कई दृश्य फिल्मों रूपांतरण की संभावना भी दर्शाते हैं। लेखक भावनात्मक संवादों और नाटकीय परिस्थितियों के माध्यम से पाठक की उत्सुकता बनाए रखने का प्रयास करता है। हालांकि किसी भी ऐसे विषय पर लिखे गए साहित्य का मूल्यांकन अंततः संपूर्ण पाठ पढ़ने के बाद ही निश्चित रूप से किया जा सकता है। केवल प्रचार सामग्री के आधार पर इसकी ऐतिहासिक या तथ्यात्मक शुद्धता का अंतिम निर्णय नहीं दिया जा सकता। यदि उपन्यास संवेदनशील विषयों को संतुलन, मानवीय दृष्टि और तथ्यपरकता के साथ प्रस्तुत करता है, तो यह समकालीन हिंदी साहित्य में एक विचरोतेजक कृति सिद्ध हो सकती है। समग्रतः ‘उस पार’ एक ऐसा उपन्यास प्रतीत होता है जो केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि पाठक से कठिन प्रश्न पूछता है- युवाओं का भविष्य, व्यवस्था की जिम्मेदारी, आतंकवाद की जड़, इतिहास की संघर्षियां और मानवता का मूल्य। यही इसकी सबसे बड़ी साहित्यिक शक्ति दिखाई देती है।

कुछ हटकर

इंटरनेशिप : यूजी-पीजी छात्रों के लिए बेहतरीन करियर



डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

आज के समय में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। कंपनियों ऐसे विद्यार्थियों को प्राथमिकता देती हैं जिनके पास व्यावहारिक ज्ञान, कार्य अनुभव और उद्योग जगत की समझ हो। यही कारण है कि इंटरनेशिप आज प्रत्येक विद्यार्थी के करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। चाहे विद्यार्थी इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कॉमर्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन, मीडिया, फार्मेसी, आर्किटेक्चर या किसी अन्य पाठ्यक्रम से संबंधित हो, इंटरनेशिप उन्हें वास्तविक कार्य वातावरण को समझने और अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

इंटरनेशिप क्यों आवश्यक है?
क्योंکه अनुभव प्राप्त होता है ,
व्यक्तित्व एवं संचार कौशल विकसित होते हैं,
रोजगार के



इन बातों को रखें ध्यान

- कअधिकृत माध्यमों से ही आवेदन करें
- प्रमाण पत्र और वयव पत्र की धैरता जाँचें
- फर्जी या क्षमक प्रस्ताव से सावधान रहें
- अपने विषय और करियर लक्ष्य से संबंधित इंटरनेशिप का चयन करें
- अपना जीवनवृत्त और व्यावसायिक प्रोफाइल व्यवस्थित रखें

किनके लिए है महत्वपूर्ण

- इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक विद्यार्थी
- प्रबंधन एवं कॉमर्स विद्यार्थी
- कंप्यूटर एप्लीकेशन विद्यार्थी
- मीडिया एवं पत्रकारिता विद्यार्थी
- फार्मेसी एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के विद्यार्थी
- आर्किटेक्चर एवं डिजाइन विद्यार्थी
- कला एवं मानविकी विषयों के विद्यार्थी

क्या सीखने का प्रयास करें?

- इंटरनेशिप के दौरान समय प्रबंधन
 - टीम के साथ कार्य करना
 - व्यावसायिक संचार कौशल
 - प्रस्तुतीकरण कौशल
 - समस्या समाधान क्षमता
 - तकनीकी और डिजिटल उपकरणों का उपयोग
- इंटरनेशिप केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि स्वयं को उद्योग जगत के लिए तैयार करने का अवसर है।सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप



कनीना में निःशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न

कनीना। सेवा भारती के तत्वावधान में लाला शिवलाल धर्मशाला में रविवार को मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मेस्ट्रो एवं लिंवर विशेषज्ञ डॉ. पीयूष कुमार, डॉ. सिमरन कौर व डॉ. जयश्री ने अपनी सेवाएं दी। बरसात के बावजूद 30 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इसके आलावा बीपी, शुगर और ईसीजी की निःशुल्क जांच कर मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं। शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि कैंप की शुरुआत 2017 से की गई थी।

माय भारत स्वयंसेवकों ने संभाली स्वच्छता की कमान

नारनौल। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत की ओर से युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में हॉफ मैराथन के सफल आयोजन के बाद माय भारत के स्वयंसेवकों ने मैराथन मार्ग पर स्वच्छता अभियान चलाया। जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने बताया कि युवाओं को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित हो रही हैं।

सचिव दीपक राव की माता का निधन

महेंद्रगढ़। मिशन जनसेवा समिति सिसोठ के सचिव दीपक राव की माता निर्मला देवी पत्नी वीरेन्द्र सिंह उर्फ लीलू यादव का हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। वे 50 वर्ष की थीं। रविवार सुबह 8 बजे गांव सिसोठ के श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान माहौल गमगीन रहा। स्वर्गीय निर्मला देवी अपने पीछे पति वीरेन्द्र, एक विवाहित बेटी मनोज कुमार तथा एक अविवाहित पुत्र दीपक को छोड़ गई हैं। अंतिम संस्कार में सपरंपर चीरंद्र कुमार विक्की, शमशेर सिंह प्रधान, नरेंद्र कुमार, गजेन्द्र, वेदप्रकाश आर्य, स्वास्थ्य निरीक्षक रणबीर सिंह, संदीप, रविन्द्र आदि मौजूद रहे।

मास्टर हीरा लाल यादव के रामलीला व शिक्षा जगत में योगदान को किया याद

महेंद्रगढ़। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के पूर्व प्रधान एवं पूर्व निदेशक तथा सहकारिता विभाग से हेड क्लर्क के पद से सेवानिवृत्त 73 वर्षीय मास्टर हीरा लाल यादव के निधन पर शहर के सामाजिक, धार्मिक एवं शिक्षाविदों ने गहरा शोक व्यक्त कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। युवा कार्यक्रम निदेशक अनिल कौशिक ने कहा कि मास्टर हीरालाल यादव ने शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं देने के साथ-साथ प्रबंधन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लगभग 30 वर्षों तक श्री आदर्श रामलीला कमेटी के मंच पर निःस्वार्थ भास से भगवान श्रीराम की सेवा की।

अपराध पर लगाम लगाने में प्रदेश सरकार फेल: महेंद्र सिंह राता

मंडी अटेली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में गुंडागर्दी चरम पर पहुंच चुकी है और आम जनता अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने ने आरोप लगाया कि प्रदेश में आए दिन चोरी, लूट, डकैती, फिरोती, हत्या एवं ताबडुडंग गोलीबाजी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार मुक्त दशक बनकर बैठी हुई है। उन्होंने हाल ही में चरखी बादरी में हुए गोलीकांड का जिक्र करते हुए कहा कि छह अगस्त को सिटी पुलिस स्टेशन के पास रसीदियां गाड़ी पर अंधाधुंध गोलीयां चलाई गईं, जिसमें करीब सात लोग घायल हो गए थे। सबसे चिंताजनक बात यह है कि बदमाशों ने थाने के बिल्कुल सामने इस वारदात को अंजाम दिया, जिससे साफ जाहिर होता है कि अपराधियों के मन से कानून का डर पूरी तरह खत्म हो चुका है।

श्री राधा रानी संगठन ने निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। श्री राधा रानी संगठन की ओर से रविवार को 57वीं प्रभात फेरी का आयोजन पवन शिव कुंड दोसी धाम से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव व उत्साह के साथ किया। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान सुरेंद्र चौधरी व शिव कुंड प्रभु से सदस्यों ने पवन ज्योति प्रज्जलित कर किया। सर्वप्रथम शिव कुंड के प्रवेश द्वार पर युगल सरकार व निशान पूजन कर यात्रा का शुभारंभ किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने डोल मुदंग और मंजीरों की गहुर धुन पर राधे राधे नाम का संकीर्तन करते हुए प्रभात फेरी निकाली। यात्रा के दौरान जगह-जगह पर श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी की आरती व पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। अंत में शिवकुंड पहुंचकर आरती कर भोजन स्वरूप प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हकेंवि में भारत की सॉफ्ट पावर एवं पर्यटन कूटनीति पर विशेषज्ञ व्याख्यान पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर व सांस्कृतिक कूटनीति का प्रभावी माध्यम: डॉ. अभिनव



महेंद्रगढ़। हकेंवि भवन।

फोटो: हरिभूमि

संगीत, सिनेमा, खान-पान और त्योहार वैश्विक स्तर पर भारत की विशिष्ट पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैक्सिको में अपने राजनयिक अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए डॉ. राज ने बताया कि पर्यटन लोगों और संस्कृतियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद का सबसे प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने बताया कि भारत और मैक्सिको के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में भारतीय संस्कृति, बॉलीवुड, भारतीय व्यंजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। डॉ. अभिनव ने कहा कि पर्यटन में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए करियर की संभावनाएं केवल होटल, ट्रैवल और ट्रिज्म उद्योग तक सीमित नहीं हैं। वे कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंध, सांस्कृतिक संवर्धन, विदेशी मिशनो, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और वैश्विक पर्यटन क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। डॉ. राज ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पर्यटन को केवल रोजगार के क्षेत्र के रूप में न देखकर इसे भारत की संस्कृति और वैश्विक पहचान को प्रस्तुत करने के अवसर के रूप में देखें। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले प्रत्येक पर्यटक का अनुभव देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित करता है और इस दृष्टि से पर्यटन से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

एचपीएस स्कूल में सीबीएसई नॉर्थ जोन-II योगासन चैंपियनशिप का किया आगाज

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

हरियाणा पब्लिक स्कूल (एचपीएस) में सीबीएसई नॉर्थ जोन-II योगासन चैंपियनशिप 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अंतर-राज्यीय खेल महाकुंभ में पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर व हरियाणा के 67 विद्यालयों से पछारे सैकड़ों युवा योग-साधकों, कोचों और सीबीएसई अधिकारियों का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि सोमवीर आर्य, अन्य अतिथियों व विद्यालय परिवार ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की पावन वंदना के साथ हुआ। इसके



नारनौल। योगासन चैंपियनशिप का शुभारंभ करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

उपरांत विद्यालय प्रबंधन समिति के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. हितेश वर्मा एडवोकेट, मैनेजिंग डायरेक्टर निधि वर्मा, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एवं डायरेक्टर पुष्करमल वर्मा, प्राचार्य सुनील कुमार, डीन मनोज भारद्वाज ने मुख्य अतिथि सोमवीर आर्य सहित विशिष्ट अतिथि सूर्य

नवजीवन अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर नवजीवन अस्पताल राव तुलाराम चौक में स्तनपान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थी नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने विभिन्न प्रस्तुतियों एवं गतिविधियों के माध्यम से माताओं, मरीजों एवं उनके परिवर्जनों को स्तनपान के महत्व और इससे होने वाले लाभों के प्रति जागरूक किया। छात्राओं ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि जन्म के बाद शुरुआती छह महीनों तक शिशु के लिए मां का दूध अत्यंत आवश्यक है। मां का दूध

विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक अनुभव

युवा पर्यटन क्लब एवं विभाग की ओर से डॉ. अभिनव राज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि उनका अनुभव विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और उपयोगी रहा। कार्यक्रम का समापन आभार ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर विभाग के शिक्षकगण, युवा पर्यटन क्लब के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बिहार राज्य विवि सेवा आयोग में चयन से चमका हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के राजनीति विज्ञान विभाग के पांच विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों का चयन बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (बीएसएसएससी) द्वारा किया गया है। इन चयनित अभ्यर्थियों में ललिता, सनी, श्वेता राज, सुमन तथा डॉ. अंकुर आर्यन शामिल हैं। इनकी सफलता ने न केवल उनके परिवार और शिक्षकों को गौरवान्वित किया है, बल्कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की अकादमिक उत्कृष्टता को भी राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों की सफलता किसी भी विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक होती है। कुलपति ने राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षकों एवं विभाग से जुड़े सभी सदस्यों को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। इन सभी विद्यार्थियों का बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के माध्यम से चयन होना विभाग के लिए विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का राजनीति विज्ञान विभाग विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय अकादमिक ज्ञान, शोध क्षमता, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक बौद्धिक आधार तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर रहा है। राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश मिश्रा एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. रमेश कुमार ने भी सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विभाग के शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता को दर्शाती है तथा वर्तमान विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। विभाग ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपनी प्रतिभा और ज्ञान के माध्यम से उच्च शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

बीआर स्कूल में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन

महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप विद्यालय सुरुजनवास में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान प्राचार्य रामबीर यादव और वेयरमैन रुपराम यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास और अभिभावकों की सहभागिता को बढ़ावा देना था। सम्मेलन में विभिन्न शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की गई, जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, परीक्षा परिणामों का विश्लेषण, तथा भविष्य में सुधार के लिए योजना पर जोर दिया गया। अध्यापकों ने अभिभावकों को उनके बच्चों की शिक्षण शैली, कक्षा में उनकी सक्रियता और किसी प्रकार की कठिनाइयों की जानकारी दी, जिससे बच्चों के विकास में अभिभावकों का सहयोग लिया जा सके। प्राचार्य रामबीर यादव ने अभिभावकों को यह समझाया कि बच्चों के लिए शैक्षिक वातावरण के साथ-साथ एक अनुशासित जीवनशैली का महत्व भी कितना जरूरी है। वेयरमैन रुपराम यादव ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भागीदार बनें और शिक्षकों के साथ मिलकर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सहयोग करें।



महेंद्रगढ़। बैठक में मौजूद अभिभावक।

फोटो: हरिभूमि

जागरूकता फैलाने की सराहना

रखी एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीषा यादव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के लिए हॉस्पिटल पहुंचने पर मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. उमेश तवर ने विद्यार्थी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य शर्मिला का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। डॉ. उमेश तवर ने नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं द्वारा समाज में स्तनपान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए किए गए प्रयास की सराहना की।

शिशु को आवश्यक पोषण प्रदान करने के साथ उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है तथा स्वस्थ शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में नवजीवन



नांगल चौधरी। महात्मा गांधी व जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

फोटो: हरिभूमि

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहीदों को किया नमन

■ भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ पर कार्यकर्ताओं की बैठक

हरिभूमि न्यूज़ ►► नांगल चौधरी

भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ के अवसर पर नांगल चौधरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रधान विक्रम सिंह यादव अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिसमें स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके त्याग, संघर्ष और बलिदान को याद किया गया। उन्होंने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन देश के स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण अध्याय रहा है।

महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुए इस आंदोलन ने देशवासियों में आजादी की भावना को और मजबूत किया। स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान की बदौलत देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास से प्रेरणा लेकर

लोकतांत्रिक मूल्यों, आपसी भाईचारे और राष्ट्रहित के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान युवाओं, किसानों, महिलाओं और आमजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनहित के मुद्दों को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने तथा लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया।

ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यकर्ता जनता के बीच सक्रिय रहकर उनकी समस्याओं को समझें और जनसेवा की भावना से कार्य करें। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया।

न्यूज़ डायरी



सीएल स्कूल में हुई पीटीएम नारनौल। ह्रुडा स्थित सीएल पब्लिक स्कूल में रविवार को पीटीएम का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों में बच्चों के टेस्ट, फाउंडेशन टेस्ट, स्कूल स्तर पर होने वाले ओलंपियाड टेस्ट के परिणाम जानने के लेकर उत्सुकता दिखाई दी। बैठक का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद स्थापित करना रहा, ताकि छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन, व्यवहार, उपस्थिति और व्यक्तिगत विकास की समीक्षा की जा सके। शिक्षकों ने अभिभावकों को छात्र का रिपोर्ट कार्ड और विषयवार अंक, पाठ्य चर्चा, गृहकार्य पूरा करने, पढ़ाई की आदतों में सुधार के सुझाव दिए। इस अवसर पर सुझाव पेटी भी रखी गई, जिसमें बच्चों के साथ आए माता पिता ने अपने सुझाव दिए। इस अवसर प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य माता पिता को बच्चों के प्रति जगरूक करना और उनके बच्चों की प्रत्येक किया कलाप की जानकारी देना है, ताकि अभिभावक बच्चों प्रगति में अध्यापकों का सहयोग कर सकें।



बीआर स्कूल में दो दिवसीय सीबीएसई प्रशिक्षण का समापन

महेंद्रगढ़। बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग में आयोजित दो दिवसीय सीबीएसई आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरे दिन सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत करते हुए उनके शिक्षण कौशल को और अधिक प्रभावी बनाना रहा। दूसरे दिन भी सीबीएसई प्रशिक्षक डॉ. राज सांगवान ने शिक्षकों को विभिन्न गतिविधियों एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। दूसरे दिन के प्रशिक्षण में शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कक्षा में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने, सकारात्मक शिक्षण वातावरण तैयार करने, विद्यार्थियों के व्यवहार को समझने तथा प्रभावी कक्षा प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न तकनीकों को सीखा। प्राचार्य ज्योति भारद्वाज ने कहा कि प्रशिक्षण के दोनों दिन शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। सीबीएसई प्रशिक्षक डॉ. राज सांगवान द्वारा दी गई जानकारी शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी रही। वेयरमैन हरिश भर्मा ने कहा कि शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है।

प्रजापति विकास समिति की आम बैठक, सम्मान समारोह 20 सितंबर को

प्रजापति समाज की प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

हरिभूमि न्यूज़ ►► कनीना

प्रजापति विकास समिति की आम बैठक का आयोजन रविवार को हरिसिंह के कार्यालय में समिति के प्रधान बलवान सिंह ठेकेदार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक का संचालन मुख्य अध्यापक सत्यप्रकाश ने किया। जिसमें समाज के उत्थान, एकता, प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। विशेष रूप से महाराजा दक्ष प्रजापति प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने



कनीना। बैठक करते प्रजापति विकास समिति के सदस्य।

फोटो: हरिभूमि

सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि महाराजा दक्ष प्रजापति प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन अगले माह 20 सितंबर को सिंहमा खंड के दौड़गांव में भव्य रूप से किया जाएगा। इस समारोह के माध्यम से समाज के उन प्रतिभाशाली

विद्यार्थियों, खिलाड़ियों व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। जिन्होंने अपने कार्यों से समाज का नाम रोशन किया है। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में सकारात्मक

संदेश जाता है और युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। इसलिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर बच्चों और युवाओं को बेहतर शिक्षा एवं मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए।

» ये रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व प्रधान हवाईसिंह, कोषाध्यक्ष सुबेसिंह, सह-सचिव हरिसिंह, निहाल सिंह, रामकुमार, सुमेर सिंह, बाबूलाल, नरेंद्र पाल, कैप्टन बलवंत सिंह, राजेंद्र सिंह सिधोर, शेरसिंह, जयसिंह, हुकम चंद, नवतरन प्रजापति, योगेंद्र प्रजापति आदि मौजूद रहे।

नारनौल की सड़कों पर आवारा गोवंश से बढ़ा खतरा, गोशालाओं में भेजने की मांग

वरिष्ठ नागरिक संगठन की बैठक में शहर की समस्याओं पर हुई चर्चा राजीव चौक पर गोवंश से नागरिक के घायल होने का मामला उठा

■ अतिक्रमण हटाने, सिटी बस चलाने, अंडरपास से पानी निकालने और पार्क विकसित करने समेत कई प्रस्ताव पारित हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

शहर की सड़कों पर बढ़ता आवारा एवं अवांछित गोवंश अब हादसों का कारण बनने लगा है। हाल ही में राजीव चौक पर गोवंश की चपेट में

आकर एक नागरिक के घायल होने का मामला सामने आने के बाद वरिष्ठ नागरिक संगठन नारनौल ने शहर के विभिन्न वार्डों में घूम रहे आवारा गोवंश को तत्काल विभिन्न गोशालाओं में भेजने की मांग उठाई है। संगठन की मासिक बैठक में शहर की अन्य समस्याओं को लेकर भी मंथन हुआ। बैठक में अंडरपास में भरे पानी की निकासी, फुटपाथों एवं बाजारों से अतिक्रमण हटाने, सिटी बस सेवा शुरू करने, गंदे नाले का अभूरा निर्माण पूरा कराने, पार्क



नारनौल। मीटिंग को संबोधित करते प्रधान दुलीचंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

विकसित करने तथा सिविल मशीन को ठीक कराने सहित कई अस्पताल में खराब थायरायड मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किए गए।

राहगीरों के लिए खतरा बने आवारा गोवंश

किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में संगठन प्रधान दुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में बंदीप्रसाद गर्ग ने शहर में लगातार बढ़ रहे आवारा गोवंश का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सड़कों पर गोवंश के कारण राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ है। राजीव चौक पर हाल में एक नागरिक के घायल होने की घटना का हवाला देते हुए संगठन ने सभी वार्डों से अवांछित गोवंश को गोशालाओं में शिफ्ट करने की मांग की। विजय सिंह यादव रहीश ने बहरोड़ रोड, सीआईए रोड और पुरानी मंडी के तीनों रेलवे अंडरपास में पानी भरे होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पानी जमा होने से विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को आवागमन में परेशानी हो रही है। संगठन ने पानी की तत्काल निकासी की मांग की।

फुटपाथ और बाजारों से हटे अतिक्रमण

रामजीलाल मित्तल ने कहा कि महेंद्रगढ़ जैसे छोटे शहर में सिटी बस सेवा शुरू हो चुकी है, जबकि जिला मुख्यालय नारनौल में अभी तक यह सुविधा नहीं है। नगर परिषद से पार्क को जल्द विकसित करने की मांग की गई, ताकि वरिष्ठ नागरिकों के साथ आमजन भी इसका लाभ उठा सके।

कच्चा हटाने की मांग

हिम्मत सिंह राठौर ने गंदे नाले का अधूरा निर्माण जल्द पूरा करवाने की मांग की। उन्होंने विशेष रूप से शनिश्चर मंदिर के पास नाले पर किए गए कथित अवैध कब्जे को हटाने की बात कही। संगठन ने संबंधित विभाग से इस दिशा में कार्रवाई की मांग की।

थायरायड मशीन खराब टेस्टिंग शुल्क पर सवाल

संगठन के आश्रम कार्यकारिणी सदस्य रविंद्र कुमार चौधरी ने सिविल अस्पताल नारनौल में थायरायड की मशीन खराब होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि 23 जुलाई से मशीन खराब है, इसके बावजूद टेस्टिंग के लिए शुल्क लिया जा रहा है, जबकि जांच नहीं हो पा रही। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से मशीन को तत्काल ठीक करवाने तथा बिना जांच के रसीद काटे जाने के मामले की जांच की मांग की। बैठक में जिले के सभी प्रमुख कार्यालय नारनौल में होने का हवाला देते हुए जिले का नाम नारनौल रखने की मांग का प्रस्ताव भी पारित किया गया। बैठक का संचालन संयुक्त सचिव प्रो. शिवहरि चंद अग्रवाल ने किया।

महेंद्रगढ़ से आधे घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड सतनाली में होटल व शराब ठेके में लगी आग, लाखों का नुकसान

घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं लोगों ने सतनाली में फायर स्टेशन खेलने की उड़ाई मांग हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल



नारनौल। होटल में लगी आग तथा ठेके में आग लगने से खराब हुई शराब।



फोटो : हरिभूमि

सतनाली कस्बे में बीती रात अलग-अलग स्थानों पर एक होटल व शराब के ठेके में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। दोनों घटनाओं में आग पर काबू पाने के लिए महेंद्रगढ़ से फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। आग बुझाने के दौरान दोनों स्थानों पर काफी नुकसान हो चुका था। राहत की बात यह रही कि घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। खास बात यह है कि दोनों घटनाओं को लेकर अभी तक किसी पक्ष की ओर से पुलिस में शिकायत नहीं दी गई है। जानकारी के अनुसार सतनाली-महेंद्रगढ़ रोड पर

होटल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

इसी मार्ग पर पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा के आवास के नजदीक स्थित एक रेस्टोरेट एवं होटल में भी रात के समय आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार होटल में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। आग की चपेट में आने से होटल का फर्नीचर, पर्दे, एलईडी सहित अन्य सामान जल गया। आग से होटल संचालक को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। होटल में आग लगने की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया। हालांकि तब तक होटल के अंदर रखा काफी सामान जल चुका था।

फायर स्टेशन की मांग

सतनाली के लोगों ने बताया कि कस्बे में फायर ब्रिगेड केंद्र नहीं होने के कारण आग की घटनाओं में महेंद्रगढ़ से दमकल की गाड़ी बुलानी पड़ती है। दूरी अधिक होने के कारण गाड़ी को मौके तक पहुंचने में समय लग जाता है, जिससे आग फैलने और नुकसान बढ़ने की आशंका रहती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सतनाली में स्थायी फायर ब्रिगेड केंद्र स्थापित किया जाए, ताकि आग की घटनाओं पर समय रहते काबू पाया जा सके।

ब्रिगेड को मौके पर पहुंचने में करीब आधा घंटा लगा। तब तक आग ने ठेके के काफी हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया था। फायर कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मोबाइल लौटा कर दिया ईमानदारी का परिचय



नारनौल। हरियाणा रोडवेज की बस सुबह 8:30 बजे रामबास से नारनौल आ रही थी, तब रामबास निवासी अमित शर्मा, जो नारनौल में चाय की दुकान चलाता है। उसका मोबाइल बस की सीट के नीचे गिर गया। अमित महावीर चौक पर उतरकर दुकान पर गया, तो अपना मोबाइल जेब में नहीं मिला, तो वह बैड़कर बस स्टैंड पर आया अपने फोन पर घंटी की, तो परिचालक सतनाल बस ने मोबाइल उठाया और उसे बताया कि मोबाइल बस में गिर गया, जो मिला है। बस स्टैंड पर जाकर अपना मोबाइल ले सकते हैं। इसके बाद परिचालक ने चालक नवीन मान को बताया कि अमित शर्मा रामबास का मोबाइल बस में गिर गया था, आप तो बता देना। करीब 20 मिनट बाद अमित किसी दूसरे के फोन से घंटी की, तो चालक नवीन मान ने फोन उठाया और बताया कि यह फोन उसके पास है। दुकानदार अमित बस स्टैंड के पास आकर चालक व परिचालक से अपना मोबाइल लेकर संतुष्ट हुआ।

कार्यक्रम में संस्कार, संस्कृति व सौहार्द का देखने को मिला अद्भुत संगम

भारत विकास परिषद का तीज महोत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

भारत विकास परिषद शाखा की ओर से हरियाली तीज के उपलक्ष्य में राधा कृष्ण मैरिज गार्डन में परिषद का तीज महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में संस्कार, संस्कृति व सौहार्द का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष मुकेश जैन ने भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात महिलाओं ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का आगाज किया। गणेश वंदना के बाद महिला सहभागिता सुचेता गोगिया के सानिध्य में सभी महिलाओं ने कुर्सी पकड़ प्रतियोगिता में भाग लिया और हरियाली तीज के पारंपरिक गीत गाते हुए तीज महोत्सव का आनंद लिया।

मंच संचालन करते हुए सचिव संदीप शुक्ला ने सभी नए सदस्यों को मंच पर आमंत्रित किया। नए सदस्यों को विजय जिंदल, डॉ. शिवकुमार, नरोत्तम सोनी, वीडी वशिष्ठ, गोपाल मित्तल, कविंद्र सचदेवा, सुनील चुध, भगत सिंह सैनी ने अंगवस्त्र व भारत माता की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद परिषद के क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव महेंद्र शर्मा व प्रांतीय उपाध्यक्ष एडवोकेट राजकुमार यादव ने नए सदस्यों एडवोकेट हितेश वर्मा, दिनेश सांखला, दीपक जोशी, राहुल वर्मा, विकास बंसल, डॉ. नरेश यादव, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. विनोद कुमार,



मनीष भारद्वाज, यशपाल अरोड़ा, सतीश भल्ला, यशवीर वर्मा व अंकित गुप्ता को सदस्यता की शपथ दिलाई। अध्यक्ष मुकेश जैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कहा कि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति को जीवित रखने और आपसी सौहार्द बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस मौके पर बजरंग लाल गुप्ता, नवीन गुप्ता, पवन यादव, विनय मित्तल, सुभाष सिंगला, सुभाष कश्यप, मधुर गर्ग, सतीश सैनी, संजय शर्मा, डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, अशोक कुमार, पवन अरोड़ा, नरेश गोगिया, अशोक सिंघल, राजकुमार चौधरी, प्रवीण बंसल, प्रीति शर्मा, प्रतिमा भारद्वाज, सरोज कश्यप, पूजा गर्ग, मोनिका गुप्ता, मुकेश देवी, डॉ. ऊषा यादव आदि उपस्थित रहे।

भारत छोड़ो आंदोलन दिवस पर कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

मंडी अटेली। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ के मौके पर अटेली ब्लॉक में कांग्रेस पार्टी द्वारा कार्यक्रम एवं ब्लॉक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू सहित स्वतंत्रता संग्राम के सभी वीर सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष सत्यवीर झुंझिका ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन केवल आजादी का संघर्ष नहीं था, बल्कि यह लोकतंत्र, सविधान और जन अधिकारों की रक्षा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर वर्ष इस दिन को संकल्प दिवस के रूप में मनाती है और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कृष्ण राव व अटेली ब्लॉक अध्यक्ष सुमेर सिंह यादव बिहारी ने भी संबोधित किया। इस मौके पर कमलेश सैनी, पूर्व चेयरमैन राजवीर यादव, महासचिव बलवंत यादव, सचिव सुमेर सरपंच, अजीत सिंहमा, शोभाराम, हेडमास्टर महेंद्र सिंह चौहान, बजरंग सिंह चौहान, अनुज जागिड़, नरेंद्र सिंह चौहान, सुमित व मोहित विनोद सरपंच आदि मौजूद रहे।



एकादशी पर बाबा जयराम दास धाम में हुआ भंडारा व हवन



महेंद्रगढ़। सावन मास की पौवन एकादशी के अवसर पर बाबा जयराम दास धाम पाली में हवन-यज्ञ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विधि-विधान से पंडित सुनील शास्त्री एवं पंडित दमन शास्त्री पालड़ी द्वारा हवन-यज्ञ संपन्न कराया गया। हवन में श्रद्धालुओं ने आहुति देकर भगवान शिव एवं बाबा जयराम दास जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे एवं धार्मिक आयोजन में सुपरवाइजर ईश्वर सिंह, सुपरवाइजर सिकंदर सिंह, सुपरवाइजर सुंदर सिंह, सुपरवाइजर नरेश शर्मा, सुपरवाइजर देवेन्द्र बौदकला, अजीत सिंह, पवन, आकाश, अजय, योगेश, प्रदीप इलेक्ट्रीशियन, विजयपाल, अनुभव, सुनील, सचजन, रण सिंह, फतेह सिंह, संतोष, लक्ष्मी, कांता, विनीता, विनोद, ममता, मीनाक्षी एवं सुरजीत सिंह सहित हरियाणा केद्रीय विधेविद्यालय, जाट पाली, महेंद्रगढ़ के समस्त कर्मचारियों ने सहयोग एवं सेवा भाव से अपनी भागीदारी निभाई।

मोहल्ला पीरआगा से निकाली प्रमातफेरी

नारनौल। श्री राधे राधे मित्र मंडल के तत्वावधान में आठवीं प्रमात फेरी मोहल्ला पीरआगा से निकाली गई। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान कृष्णा देवी पत्नी हजारीलाल के परिवार के सदस्यों ने पौवन उद्योति प्रज्वलित कर किया। इसके बाद श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया। महिला, पुरुष व बच्चे भक्ति गीतों पर नाचते गाते हुए यात्रा में शामिल हुए। ढोल मुद्दम और मंजीरों की मधुर धुन के साथ राधे-राधे नाम का संकीर्तन ने राधा नाम का गुणगान करते हुए प्रमात फेरी निकाली। यात्रा मोहल्ला पीरआगा से प्रारंभ होकर सलामपुरा, गुरुनानकपुरा, बावडीपुर से होते हुए मुख्य यजमान के निवास स्थान पर पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान ठाकुर जी एवं युगल सरकार की आरती की तथा भक्ति गीतों पर नाचते गाते हुए संकीर्तन यात्रा में शामिल हुए। मंडल सदस्य बजरंग अग्रवाल ने बताया कि प्रमात फेरी में एकत्रित धनराशि से गोमाता की सवामणी की जाती है।

हरिभूमि आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नंबरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हनुमन्त पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।

नारनौल :- सत्य लाजा, प्रेम रत्न, तख्त कटर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फ़ोन : 8295738500, 9253681005

खुशी मनाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

पशु के प्रति इतना स्नेह शायद ही आपको कहीं देखने को मिले। नारनौल के नजदीक गांव भूषण खुरद के एक परिवार ने अपनी गाय के बछड़े के जन्म लेने पर लड़कों की भांति उसका कुआं पूजन कार्यक्रम किया। छठी की रात की। हवन किया। पशुपालक ने अपने ससुराल पक्ष से छूछक भी मंगवाया। उसमें गाय व बछड़े से जुड़े कपड़े, परिजनों और बहन बेटियों का मान करवाया गया। इसके बाद कुआं पूजन किया। शाम को 1000 लोगों के लिए सहभोज का कार्यक्रम भी रखा। सोचन में भी यह अजीब सा लगता है लेकिन इसके पीछे छिपी इस परिवार की भावनाओं को समझे। दरअसल, गांव भूषण खुरद वासी किसान एवं पशुपालक जितेंद्र

यादव ने दो साल से साहीवाल व गिर नशल की गाय पाली हुई है। जब वह दह माह की थी, तब उसे पड़ोसी प्रदेश राजस्थान के बहरोड़ के गांव से खरीदा था। गाय का नाम मानू रखा। अब इस गाय ने सात दिन पहले एक बछड़े को जन्म दिया। बछड़े का नाम मन्नु रखा गया। यह किस्म भी साहीवाल व गिर मिक्स है। गाय के बछड़ा होने की खुशी में जितेंद्र ने परिजनों से सलाह ली और फिर लड़के के जन्म की भांति बछड़ा होने पर छठी की रात और कुआं पूजन कार्यक्रम करने का फैसला लिया। बस फिर क्या था, उन्होंने हलवाई बुक किए तथा करीब एक हजार लोगों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए न्यौता दिया। इसके लिए बकाया काई भी छपवाए गए। घर की बहन बेटियों को भी बुलाया गया।



नारनौल। बछड़े के साथ जितेंद्र यादव, कुआं पूजन के दौरान गाय का पूजन करते हुए तथा हवन करते हुए।



लगाव : जितेंद्र के अलावा कोई न जा सकता गाय के पास

पशु पालक जितेंद्र यादव बताते हैं कि गाय को उसने बहुत छोटे से पाला है। इस वजह से गाय के साथ बहुत लगाव है। गाय भी उससे लगाव रखती है। उसके अलावा अन्य किसी को पास नहीं आने देती है। दूध भी उसकी ही निगाहों से देती है।

इस तरह किया पूरा कार्यक्रम

शुक्रवार को छठी के दिन धूमधाम से कुआं पूजन कार्यक्रम हुआ। इसके लिए जितेंद्र ने अपने डेयरी फार्म पर वाटर पूक टैंट लगाया। सुबह परिजनों ने हवन यज्ञ में आहुति डाली। इसके बाद शाम को गांजे-बांजे के साथ गीत गाते हुए महिलाओं ने गाय व बछड़े के साथ कुआं पूजन कराया। यही नहीं, लड़कों के जन्म पर उसके मामा के घर से आने वाला छूछक जितेंद्र के ससुराल कल्याणपुरा बहरोड़ से मंगवाया गया। पूरे गांव के मौज्जाज लोगों के सामने छूछक लिया गया। छूछक में भी 25 महिला व पुरुष आए। ससुराल पक्ष के छूछक में 21 हजार रुपये की राशि ससमान भेंट की। छूछक में ससुराल पक्ष के लोग गाय के लिए पशु चारे के अलावा बछड़े के गले में डालने के लिए माला और गाय के लिए नकदी व चुकरी लेकर आए। वहीं परिजनों के लिए कपड़े व बहन बेटियों के लिए भी कपड़े सहित अनेक सामान दिया। पशुपालक जितेंद्र यादव के मुनाबिक इस दौरान करीब एक हजार लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी।



फोटो : हरिभूमि